

आप ही झोंक दिया 6. ठेलना-उसने तो अपनी बहू को ही चूल्हे-चौके के काम में झोंक रखा है, खुद कुछ नहीं करती।

झोंकवा वि. (देश.) झोंकने का काम करने वाला पुं. झोंकने का काम करने वाला आदमी।

झोंका पुं. (देश.) 1. हवा की हिलोर, तेज हवा का चल पड़ना (धक्का), पानी की हिलोर 2. ठाट, सजावट 3. मुट्ठी 4. थोड़े समय के लिए झपकी जो अचानक लगने लगे 5. वेग से इधर-उधर झुकना, हिल जाना 6. झूले की पेंग 7. विपत्ति, आघात 8. नींद का जोर सहना।

झोंकाई स्त्री. (देश.) 1. झोंकने का भाव, या क्रिया 2. झोंकने की मज़दूरी।

झोंकारना स.क्रि. (देश.) झुलसा देना, जला देना।

झोंकिया पुं. (देश.) झोंकवा, झोंकने का काम करने वाला।

झोंकी स्त्री. (देश.) 1. बोझ, भार 2. जवाबदेही।

झोंझ पुं. (देश.) 1. घोंसला 2. पक्षियों में गले से थैलीनुमा लटकता हुआ मांस 3. खुजली, सुरसुराहट मुहा. झोंझ मारना- खुजली होना।

झोंझल पुं. (देश.) झुँझलाहट, कुढ़न।

झोंट पुं. (तद्.) 1. झाड़ी 2. झुरमुट 3. आड़ 4. जुट्टा दे. झोंटा।

झोंटा पुं. (तद्.) बड़े-बड़े बालों का समूह या जुट्टा। मुहा. झोंटा मारना- झूले को धक्का देना, पेंग मारना।

झोंटी स्त्री. (देश.) दे. झोंटा।

झोंपड़ा पुं. (देश.) घास-फूस से छाया हुआ कच्चा घर, कुटिया।

झोंपड़ी स्त्री. (देश.) छोटा झोंपड़ा, कुटिया, कुटी।

झोक स्त्री. (देश.) दे. झोंक।

झोखना अ.क्रि. (देश.) डालना, छोड़ना, देना।

झोझर पुं. (देश.) 1. पेट 2. अमाशय 3. पचौनी (पाचन-स्थल)।

झोटिंग पुं. (देश.) बहुत बड़े-बड़े खड़े बालों वाला व्यक्ति भूत, प्रेत, पिशाच आदि।

झोड़ पुं. (तद्.) सुपारी का वृक्ष।

झोपड़ा पुं. (देश.) दे. झोंपड़ा।

झोपड़ी स्त्री. (देश.) दे. झोंपड़ी।

झोर पुं. (देश.) दे. झोला।

झोरना स.क्रि. (देश.) 1. जोर से हिलाना, झकझोरना, झटका देकर हिलाना 2. छककर खाना 3. डाल को इस तरह हिलाना कि उसके फल तथा पत्ते भी झड़ जाएँ प्रयो. आम झोरना, इमली झोरना 4. इकट्ठा करना, एकत्र करना।

झोल पुं. (देश.) 1. आम का पना 2. तरकारी आदि का रस 3. कपड़े का लटकने या झूलने वाला अंश, झोर या झोरी 4. पल्ला, आँचल 5. परदा, ओट।

झोलदार वि. (देश.) जिसमें झोल हो, रसदार।

झोला पुं. (देश.) 1. कपड़े का थैला 2. गिलाफ, खोली चोला 3. एक प्रकार का वात रोग, लकवा या पक्षाघात। मुहा. झोला मारना-वात रोग से किसी अंग का बेकार हो जाना, पक्षाघात होना, सुस्त पड़ जाना 4. लू या साला आदि से पेड़ों का मुरझा जाना 5. झटका, आघात, धक्का।

झोली स्त्री. (देश.) 1. राख, भस्म 2. सफरी बिस्तर मुहा. झोली बुझाना-सब काम हो जाने पर उसे करने के लिए तैयार या तत्पर होना।

झौंद पुं. (देश.) पेट, उदर।

झौर पुं. (देश.) 1. झुंड, समूह 2. झुरमुट 3. एक प्रकार का गहना।

झौरना अ.क्रि. (अनु.) गूँजना, गुंजारना।

झौरी स्त्री. (देश.) 1. झोली 2. पेट, झौझर 3. एक तरह की रोटी।

झौवा पुं. (देश.) खँचिया।

झौहाना अ.क्रि. (देश.) 1. गुराना 2. झल्लाते हुए बोलना 3. चिड़चिड़ाना।